सम्मोहन साधना

सम्मोहन तो अपने आप में एक विशिष्ट शैली और कला है, जो जीवन में ताजगी, उमंग भरने में सक्षम है। **इसके द्वारा आकर्षण, चुम्बकत्व, सम्मोहन जैसे गुण तो आते ही हैं, साथ ही यह आन्तरिक ऊर्जा की वृद्धि, उत्साह और शीतलता देने का एक सफल प्रयास है,** फिर साधक की आन्तरिक शक्तियां व चेतना गुणात्मक रूप से बढ़ने लगती हैं।

सम्मोहन साधना मन: शक्ति को नियन्त्रित करने की प्राचीन तथा शास्त्र सम्मत विधि है। **सृजनात्मक विचारों के द्वारा ही इस धरा को वसन्तमय बनाया जा सकता है, और प्रत्येक प्राणी मात्र का उपकार व कल्याण किया जा सकता है, एक नवीन चेतना, उमंग, जोश तथा नये आयाम इस समाज को दिया जा सकता हैं।** जिसका इस समाज में सर्वथा अभाव दिखायी देता है।

सर्वप्रथम 10 मिनट ध्यान में बैठें फिर किसी ताम्रपात्र में **' वशीकरण यंत्र'** का पूजन कर, उसके मध्य में **'सम्मोहन गुटिका'** को स्थापित करें तथा **धूप, दीप, अक्षत, पुष्पादि** से **यंत्र एवं गुटिका** का पूजन करें।

साधक के लिए प्रतिदिन गुरू चित्र पर 10 मिनट त्राटक का अभ्यास करना आवश्यक है। इसके पश्चात् **'सम्मोहन माला'** से चन्द्र ग्रहण के दिन **3 माला निम्न मंत्र** जप करें।

मंत्र

॥ ॐ क्लीं सं सर्व सम्मोहनाय् वशमनाय क्लीं फट् ॥

साधना समाप्ति के पश्चात् सम्मोहन गुटिका को गले में धारण कर लें और अन्य सामग्री को किसी नदी अथवा तालाब में प्रवाहित कर दें।

न्यौछावर ₹ 850

आयुष्य लक्ष्मी साधना

जीवन में यदि पूर्ण आयु ही नहीं होगी, पूरा विस्तार ही नहीं होगा तो कब व्यक्ति **अपनी इच्छाओं की, कामनाओं** की पूर्ति कर सकेगा, कब अपनी इच्छा का संसार रच सकेगा, अपने जीवन को खुलकर जी सकेगा और वह सब कुछ प्राप्त करने में सफल होगा, जो उसके मन की चिरसंचित अभिलाषा हो। जीवन में केवल वर्षों की संख्या से आयु का निर्धारण नहीं किया जा सकता। **जीवन का कितना क्षण आनन्द के साथ सुखी और परिपूर्ण रूप से बीते है, कितने क्षण आनन्द के साथ बीते है, जितने दिन आरोग्यता के साथ प्रेममय, दान, पुण्यादि क्रियाओं में व्यतीत हो, वही जीवन की वास्तविक आयु है।**

ग्रहण काल में या किसी भी गुरूवार को अपने सामने ताबीज रूप में **'आयुष्य लक्ष्मी यंत्र'** स्थापित कर लें। प्रथम दिन साधना के बाद इस ताबीज को गले में धारण कर पांच दिन तक **'आयु वृद्धि माला'** से 3 माला जप करें।

मंत्र

॥ ॐ अं अ: दीर्घायु आयुष्यायै महालक्ष्म्यै नम:॥

प्रथम दिन जिस समय साधना प्रारम्भ किये थे, अगले बार पुन: ठीक उसी समय पर साधना प्रारम्भ करें। पांच दिन बाद पांच छोटी कन्याओं को सम्मान पूर्वक भोजन आदि कराकर उन्हें **भगवती महालक्ष्मी का ही स्वरूप मानते हुए दक्षिणा आदि से सन्तुष्ट करें।** यदि किसी की आयु कम हो या हाथ में जीवन रेखा कटी हो, तो इस प्रयोग के कुछ दिन के भीतर ही वह रेखा पुन: स्पष्ट और सीधी दिखाई देती है। **न्यौछावर ₹ 760**

अमृतमय श्री लक्ष्मी वशीकरण शक्ति दीक्षा

सांसारिक जीवन की क्रिया में यकायक विषम स्थितियां या दुष्क्रियाओं के फलस्वरूप जीवन नारकीय हो जाता है और व्यक्ति समझ ही नहीं पाता, कि क्यों अचानक उसके परिवार में आर्थिक तंगी में वृद्धि हो रही है। पूर्व जन्मों के दोषों, अनास्था के चिंतन स्वरूप अर्नगल क्रियाओं के कारण जीवन कष्टप्रद हो जाता है। इसके समाधान हेतु **पूर्व जन्मों के पापों का शमन कर लक्ष्मी को पूर्ण वशीकरण करने से ही जीवन में उन्नति** होती है। लक्ष्मी तो पुरूषार्थ के द्वारा ही साधक के पास आ सकती है। लक्ष्मी भौतिक जीवन को संवारने के लिये बाध्य हो जाती है। **यह ऐसी ही दीक्षा है जिसके द्वारा लक्ष्मी को पूर्ण आबद्ध कर घर में स्थायित्व दिया जा सकता है।** जिससे धन, वैभव लक्ष्मी से ही गृहस्थ जीवन सम्पन्नमय बन सकेगा। इस अद्वितीय अमृतमय **कार्तिक पूर्णिमा चन्द्रग्रहण युक्त श्री लक्ष्मी वशीकरण शक्ति दीक्षा** को प्राप्त कर जीवन में **धन, यश, सम्मान** प्राप्त किया जा सकता है। **सहस्त्र श्री लक्ष्मी वशीकरण युक्त लॉकेट के साथ शक्ति दीक्षा** आत्मसात कर सकेंगे।

अमृतमय श्री लक्ष्मी वशीकरण लॉकेट युक्त शक्ति दीक्षा न्यौछावर ₹ 2100